भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1122

दिनांक 25 जुलाई, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की जांच

†1122 श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि भारतीय महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की जांच का स्तर अत्यंत निम्न बना हुआ है, जिसका मुख्य कारण जागरूकता और सामर्थ्य का अभाव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने एचपीवी और सर्वाइकल कैंसर के बारे में जनता की समझ का आकलन किया है और तद्द्वार संरचित राज्य-स्तरीय जागरूकता और जांच अभियान शुरू करने की योजना बनाई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का सर्वाइकल कैंसर की जांच (जैसे, एसिटिक एसिड और पैप स्मीयर परीक्षण के साथ दृश्य निरीक्षण- वीआईए/पैप परीक्षण) को नियमित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेवाओं में और संभवतः मोबाइल जांच इकाइयों के माध्यम से और विशेष रूप से कम सेवा प्राप्त और ग्रामीण क्षेत्रों में एकीकृत करने का इरादा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार का विश्व स्वास्थ्य संगठन की सिफारिशों के अनुरूप 30 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं में राष्ट्रीय जांच दर को वर्तमान 2 प्रतिशत से बढ़ाकर कम से कम 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य प्राप्त करने की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): स्वास्थ्य राज्य का विषय है। तथापि, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के अंतर्गत, सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य कार्यकलापों को बढ़ावा देकर और लक्षित संचार के माध्यम से कैंसर के निवारक पहलू को मज़बूत किया जाता है। गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए अन्य पहलों में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस और विश्व कैंसर दिवस मनाना और निरंतर सामुदायिक जागरूकता के

लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग शामिल है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार जागरूकता सृजन कार्यकलापों के लिए धनराशि प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत देश में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक भाग के रूप में, एएएम के माध्यम से, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित सामान्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की जाँच, प्रबंधन और रोकथाम के लिए एक जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जाँच 30 से 65 वर्ष की आयु की महिलाओं को लक्षित करती है, और यह मुख्य रूप से प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा एएएम-उप-स्वास्थ्य केंद्रों, एएएम-प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों पर, पाँच वर्ष में एक बार एसिटिक एसिड (वीआईए) के साथ दृश्य निरीक्षण का उपयोग करके की जाती है। एसिटिक एसिड के साथ दृश्य निरीक्षण – पाजीटिव मामलों को आगे की निदान प्रक्रियाओं के लिए उच्चतर केंद्रों में भेजा जाता है।

समुदाय में, मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) समुदाय आधारित मूल्यांकन जाँच सूची (सीबीएसी) प्रपत्रों का उपयोग करके तीस वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों का जोखिम मूल्यांकन करती हैं और उन्हें गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर और अन्य सामान्य गैर-संचारी रोगों की जाँच के लिए एएएम में लाती हैं। वह नियमित स्वास्थ्य जाँच और स्क्रीनिंग के माध्यम से शीघ्र पहचान के महत्व के बारे में जनता को जागरूक भी करती हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की सार्वभौमिक जाँच सुनिश्चित करने के लिए एनसीडी जाँच अभियान (दिनांक 20 फ़रवरी, 2025 से 31 मार्च 2025) शुरू किया था। यह अभियान राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा केंद्रों (एएएम) और अन्य स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में देश भर में चलाया गया।

राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल के अनुसार दिनांक 20 जुलाई 2025 तक, 30 वर्ष और उससे अधिक आयु की 25.42 करोड़ पात्र महिलाओं में से 10.18 करोड़ की गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जाँच की जा चुकी है। देश में 30 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जाँच के वर्तमान अनुपात में सुधार के प्रयास किए गए हैं।

*****